किया जाएगा। ब्यूरो

का जबर्दस्त दबाव है, लेकिन पार्टी

वैज्ञानिकों ने खोजी टमाटर की नई प्रजाति

दीप जोशी

अल्मोड़ा। कोरोना काल में विटामिट सी का प्रयोग काफी लाभदायक है। ऐसे में विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (वीपीकेएएस) अल्मोड़ा के वैज्ञानिकों ने टमाटर की एक नई प्रजाति विकसित की है, जिसमें सामान्य टमाटर की अपेक्षा विटामिन सी की मात्रा दोगुने से भी अधिक है। चेरी टमाटर-1 नाम की यह प्रजाति खास तौर पर सलाद के लिए अधिक बेहतर मानी जा रही है। इसके पेड़ की बेलें सामान्य टमाटर की अपेक्षा काफी बड़ी और फैली होती हैं, जिसकी पैदावार 350 से 375 कुंतल प्रति हेक्टेयर है।

विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक देश के पर्वतीय

कोरोना काल में विटामिन सी युक्त टमाटर करेगा कमाल

राज्यों के लिए समय-समय पर मक्का, धान, गेहूं सहित सब्जियों आदि के बीजों की उन्नत प्रजातियां विकसित करते रहते हैं। अब संस्थान के वैज्ञानिकों ने लंबे परीक्षण के बाद वीएल चैरी टमाटर-1 नाम से टमाटर की नई प्रजाति विकसित की है। इसका खेतों में परीक्षण किया जा चुका है। संस्थान के निदेशक डॉ. लक्ष्मीकांत ने बताया कि वीएल चैरी टमाटर-1 में विटामिन सी की मात्रा प्रति 100 ग्राम में 86 मिग्रा. है, जबकि सामान्य टमाटर यह मात्रा 32 मिलीग्राम होती है। सामान्य टमाटर की अपेक्षा इसकी पैदावार भी करीब डेढ़ से दो गुना अधिक होती है। संवाद

टमाटर की नई प्रजाति वीएल चैरी टमाटर-1 काश्तकारों के लिए काफी लाभदायक होगी। इसमें विटामिन सी प्रचुर मात्रा में है। सामान्य टमाटर की अपेक्षा इसकी उपज भी अधिक है। काश्तकार इसका बीज खुद बना सकेंगे। फिलहाल काश्तकारों के लिए विवेकानंद कृषि अनुसंधान संस्थान में इसका बीज उपलब्ध है।

-डॉ. लक्ष्मीकांत निदेशक,
विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान अल्मोड़ा